

यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे टप्पल और हाथरस में बसेंगे नए शहर

यीडा ने किया मास्टर प्लान तैयार, अर्बन सेंटर, मल्टी लॉजिस्टिक हब, एविएशन हब के निर्माण से विकास पकड़ेगा रफ्तार



संवाद न्यूज एजेंसी



अलीगढ़-पलवल हाईवे। संवाद

अलीगढ़। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की यमुना एक्सप्रेसवे से सटे जिले के टप्पल और हाथरस में नया शहर बसाने की तैयारी है। इसके लिए मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया है। यहां लॉजिस्टिक हब बनाने के लिए पहले से ही तैयारी चल रही है और इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

पहले चरण में आगरा में अर्बन सेंटर बनाने का कार्य चल रहा है। दूसरे चरण में अलीगढ़ के टप्पल, मथुरा के बाजना और हाथरस में नया शहर बसाने की योजना है। शुरुआती दौर में मथुरा जिले

के राया व अलीगढ़ में टप्पल-बाजना में अर्बन सेंटर को ही नियोजित किया जाएगा। शेष अधिसूचित क्षेत्र अभी हरित श्रेणी में शामिल हैं। इससे उद्योगों के साथ आवासीय, वाणिज्यिक व संस्थागत गतिविधियों को गति मिलेगी।

सिटी मजिस्ट्रेट व भूमि अध्याप्ति अधिकारी रामशंकर ने बताया कि यीडा के मास्टर प्लान फेज-दो में टप्पल अर्बन सेंटर के अलावा मल्टी मॉडल

लॉजिस्टिक हब भी प्रस्तावित है। लॉजिस्टिक हब के लिए जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव पूर्व में ही अलीगढ़ जिला प्रशासन को भेजा जा चुका है।

टप्पल -बाजना अर्बन सेंटर के लिए यीडा ने दो भागों में कुल 1512.6383 हेक्टेयर भूमि अर्जन करने का प्रस्ताव भेजा है। विभाग चिन्हित जमीन के गाटा मिलान में जुट गया है। प्रस्ताव में कई गाटा ऐसे भी

- 1512.6383 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होगा लॉजिस्टिक हब और अर्बन सेंटर के लिए
- 811.4348 हेक्टेयर जमीन लॉजिस्टिक हब के लिए अधिग्रहीत करने की प्रक्रिया चल रही है
- 7011035 हेक्टेयर जमीन विकसित होने जा रहे अर्बन सेंटर के लिए अधिग्रहीत होगी
- जिले के श्यारौल व डोरपुरी में

लॉजिस्टिक पार्क विकसित किया जाना भी है प्रस्तावित, दोनों गांव में कुल 165 हेक्टेयर भूमि की गई है चिन्हित।

- गुरुग्राम, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, दिल्ली, गाजियाबाद, एनसीआर में भीड़ कम करने व नौकरी, व्यापार को बढ़ावा देना है मकसद
- नोएडा की गीतमचुड़ यूनिवर्सिटी को सर्वे की मिली है जिम्मेदारी, दो महीने में तैयार कर देनी होगी सर्वे रिपोर्ट



जिले की टप्पल पंचायत में यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में अर्बन सेंटर का निर्माण होगा। नामित एजेंसी के माध्यम से चिन्हित भूमि के एसआइए के लिए एजेंसी नामित करने की मांग की गई है। इसके माध्यम से परियोजना के सामाजिक, आर्थिक प्रभाव के आंकलन के साथ अन्य ब्योरा एकत्र किया जाएगा। - रामशंकर, सिटी मजिस्ट्रेट व भूमि अध्याप्ति अधिकारी

हैं, जो पूर्व में ही यमुना एक्सप्रेस-वे के लिए अधिग्रहित हो चुके हैं। अब यीडा की ओर से संशोधित प्रस्ताव भेजा गया है।